



भारत की अवसंरचना क्रांति

15 अगस्त 2025

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 15 अगस्त, 2025 को स्वतंत्रता दिवस समारोह पर उद्बोधन:

- मैंने इसी लाल किले से पंच प्रण की बात कही थी। मैं आज लाल किले से फिर से एक बार मेरे देशवासियों का पुनः स्मरण जरूर करना चाहता हूँ।
- विकसित भारत बनाने के लिए ना हम रुकेंगे, ना हम झुकेंगे, हम परिश्रम की पराकाष्ठा करते रहेंगे और अपनी आंखों के सामने 2047 में विकसित भारत बना करके रहेंगे।

परिचय

विगत ग्यारह वर्षों में, भारत ने अपने भौतिक और डिजिटल परिदृश्य को नया रूप देने के लिए एक महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की है-जिसमें न केवल सड़कें और रेल हैं, बल्कि एक आधुनिक, जुड़े हुए राष्ट्र की रूपरेखा भी है। अवसंरचना एवं संभार तंत्र बाधाओं से अवसर के पुलों तक विकसित हुए हैं, जो आर्थिक विकास और शहरी परिवर्तन को शक्ति प्रदान करते हैं।

इस विकास के केंद्र में पीएम गतिशक्ति और उड़ान जैसी पहल हैं, जो राजमार्गों का विस्तार कर रही हैं, बंदरगाहों का आधुनिकीकरण कर रही हैं और लोगों के लिए हवाई यात्रा ला रही हैं। लेकिन परिवर्तन पारगमन तक ही सीमित नहीं है- यह भारत के शहरों की नसों से होकर गुजरता है।

स्मार्ट सिटी मिशन प्रौद्योगिकी, स्थिरता और नागरिक केंद्रित डिजाइन को एकीकृत करके शहरी जीवन की फिर से कल्पना कर रहा है। इसके पूरक अमृत (कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन) है, जो शहरी बुनियादी ढांचे में क्रांति ला रहा है।

इन पहलों ने मिलकर न केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है, बल्कि लचीलापन, समावेशिता और नवाचार को बढ़ावा दिया है। यह केवल विकास नहीं है, यह अवसंरचना के सभी क्षेत्रों में एक समरूपता है। जैसे-जैसे भारत भविष्य की ओर बढ़ रहा है, इसकी अवसंरचना अब केवल एक नींव नहीं है- यह एक लॉन्चपैड है।

अमृत: शहरी जीवन की पुनर्कल्पना

25 जून 2015 को शुरू किए गए कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत) का उद्देश्य जल आपूर्ति, सीवरेज, परिवहन और हरित स्थानों जैसी आवश्यक सेवाओं में सुधार करके शहरी जीवन को बेहतर बनाना है।

अमृत 2.0 1 अक्टूबर 2021 को शुरू किया गया था, जो जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और शहरों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी शहरी स्थानीय निकायों (यू.एल.बी.) तक फैला है। एक प्रमुख लक्ष्य मूल 500 अमृत शहरों में सार्वभौमिक सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन प्राप्त करना है।

प्रमुख उपलब्धियां
❖ कुल मिलाकर 1.12 लाख करोड़ रुपये का काम पूरा हो चुका है।
❖ पिछले 10 वर्षों में 2.03 करोड़ नल कनेक्शन और 1.50 करोड़ सीवर कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
❖ 666 करोड़ केडब्ल्यूएच की वार्षिक ऊर्जा बचत।
❖ सालाना 46 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड में कमी।
❖ 3599 शहरों ने ऑनलाइन भवन अनुमति प्रणाली लागू की।
❖ नगरपालिका बांडों के माध्यम से 13 यू.एल.बी. द्वारा 4,984 करोड़ रुपये जुटाए गए।

स्मार्ट सिटी मिशन: संयोजित, स्वच्छ एवं नागरिक केंद्रित

2015 में शुरू किए गए स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) का उद्देश्य भारत के लिए एक गतिशील शहरी भविष्य है। इसकी महत्वाकांक्षा आर्थिक रूप से फलने-फूलने वाले शहरों को आकार देना, समावेशिता को अपनाना और पर्यावरण का पोषण करना है। अवसंरचना, शासन और सामाजिक प्रगति में रणनीतिक निवेश के माध्यम से, एससीएम शहरी भारत के जीवन, कार्य और विकास के तरीके में एक परिवर्तनकारी बदलाव ला रहा है।

प्रमुख उपलब्धियां
❖ स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कुल 8,063 परियोजनाओं में से 95 प्रतिशत पूरी हो चुकी हैं, जिसमें 11 जुलाई, 2025 तक 1.6 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया है।
❖ अवसंरचना तथा सेवाओं में सुधार के लिए शहरों में क्षेत्र-आधारित और पैन-सिटी दृष्टिकोण।

- ❖ सभी 100 शहरों में बेहतर शहर प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीक का उपयोग करते हुए एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र हैं।
- ❖ हजारों स्मार्ट सड़कें, साइकिल ट्रैक, कक्षाएं और स्वास्थ्य केंद्र बनाए गए हैं।
- ❖ साइकिल4चेंज और स्ट्रीट4पीपल जैसी पहल खुले स्थानों और समावेशिता को बढ़ावा देती हैं।

परिवहन: भारत की संयोजकता में तेजी

2021 में शुरू किया गया पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत के आर्थिक केंद्रों में बहुआयामी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की एक पहल है। यह सात मुख्य क्षेत्रों-रेल, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन पारगमन और संभार तंत्र में विकास का समन्वय करता है।

- सड़कें एवं राजमार्ग- भारतीय अवसंरचना देश भर में वस्तुओं और यात्रियों की आवाजाही पर ध्यान केंद्रित करते हुए राजमार्ग एवं सड़क अवसंरचना परियोजनाओं के विकास में योगदान दे रहा है। प्रमुख परियोजनाओं में नए राजमार्ग निर्माण, आर्थिक गलियारों का निर्माण और उन्नयन, फीडर मार्ग और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं, तटीय क्षेत्रों और नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के साथ सड़कें शामिल हैं।

प्रमुख उपलब्धियां
❖ राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 2014 में 91,287 कि.मी. से बढ़कर 2025 में 1,46,342 कि.मी. हो गया है।
❖ 7.8 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कें पूरी की गईं (2014-2025)।
❖ अभिगम नियंत्रित राष्ट्रीय उच्च गति गलियारे (एच.एस.सी.)/एक्सप्रेसवे 2014 में 93 कि.मी. से बढ़कर 2636 कि.मी. (30.06.2025 पर चालू) हुए।
❖ 2014 से राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण (किमी/दिन) में 142% की वृद्धि।
❖ वार्षिक राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की लंबाई 4410 कि.मी. से बढ़कर 10,660 कि.मी. हुई।
❖ ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, भारत का पहला सौर ऊर्जा से चलने वाला एक्सप्रेसवे, केवल 500 दिनों में पूरा हुआ।
❖ चेनाब पुल- दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्क पुल और अंजी पुल- भारत के पहले केबल-स्टेड रेल पुल का उद्घाटन 6 जून 2025 को किया गया।

- रेलवे- भारतीय रेलवे ने विस्तारित विद्युतीकरण तथा अवसंरचना और सेवाओं के आधुनिकीकरण के साथ उल्लेखनीय विकास देखा है। स्वचालित संकेत, वंदे भारत ट्रेनों के शुरू होने और बड़े हुए माल गलियारों

जैसी पहलों ने रेलवे को भारत के आर्थिक और साजो-सामान परिवर्तन के प्रमुख चालक के रूप में स्थापित किया है।

प्रमुख उपलब्धियां
❖ 31 जुलाई 2025 तक 144 वंदे भारत ट्रेनें चालू हैं।
❖ 2014 से अब तक 46,900 किलोमीटर रेल विद्युतीकरण पूरा किया गया है।
❖ सुरक्षा: प्रमुख मार्गों पर कवच तैनात किया गया है।
❖ भारत के रेल उत्पादों का निर्यात बढ़ता हुआ।
❖ 78 प्रतिशत से अधिक रेलवे पटरियों को 110 किमी प्रति घंटे और उससे अधिक की अनुभागीय गति के लिए उन्नत किया गया है।

- मेट्रो- भारत के मेट्रो रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है, अब दर्जनों शहरों में सेवाएं चालू हैं या निर्माणाधीन हैं। यह वृद्धि आधुनिक शहरी गतिशीलता, बेहतर संपर्क और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन समाधानों की दिशा में एक मजबूत धक्का को दर्शाती है।

प्रमुख उपलब्धियां
❖ भारत का मेट्रो नेटवर्क 248 किलोमीटर (2014) से बढ़कर 1,013 किलोमीटर (2025) हुआ।
❖ दैनिक सवारियों की संख्या 2013-14 में 28 लाख से बढ़कर 1.12 करोड़ हुई।
❖ भारत ने 2.50 लाख करोड़ रुपये (यूएस \$28.86 बिलियन) का निवेश किया है और घरेलू स्तर पर 2,000 से अधिक मेट्रो डिब्बों का निर्माण किया है।
❖ मेक इन इंडिया, सौर ऊर्जा से चलने वाले स्टेशन और चालक रहित मेट्रो जैसी पहल स्वच्छ एवं भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता को बढ़ावा दे रही हैं।

- पत्तन और जलमार्ग- भारत के समुद्री अवसंरचना में पत्तन आधुनिकीकरण, बेहतर तटीय नौवहन और अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है।

प्रमुख उपलब्धियां
❖ 2014 से बंदरगाह की क्षमता दोगुनी होकर 2,762 एमएमटीपीए हुई है।
❖ जहाज का कुल टर्नअराउंड समय 93 घंटे से बढ़कर 48 घंटे हुआ है।

- ❖ सागरमाला: 277 परियोजनाएं पूरी हुई हैं; सागरमाला 2 का शुभारंभ किया गया है।
- ❖ अंतर्देशीय जलमार्ग कार्गो में 2014 से 710% की वृद्धि हुई है (18 एमएमटी से 146 एमएमटी तक)
- ❖ कंडला, पारादीप और तूतीकोरिन में 3 प्रमुख बंदरगाहों पर हरित हाइड्रोजन केंद्र विकसित किए जा रहे हैं।

- उड़ान: क्षेत्रीय संपर्क योजना-भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है, जो अधिक समावेशी, सुलभ और तकनीकी रूप से उन्नत हो गया है।

प्रमुख उपलब्धियां
❖ जुलाई, 2025 तक उड़ान के तहत 92 हवाई अड्डों का संचालन हुआ है।
❖ 30 जून, 2025 तक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के तहत डेढ़ करोड़ से अधिक यात्रियों ने उड़ान भरी है।
❖ 24 हवाई अड्डों पर अपनाई गई डिजी यात्रा; 5 करोड़ से अधिक बार उपयोग की गई।

लॉजिस्टिक्स: स्मार्ट लॉजिस्टिक्स, बेहतर भविष्य

भारत का लॉजिस्टिक्स क्षेत्र एक अधिक एकीकृत, प्रौद्योगिकी संचालित पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित हुआ है, जो देश के आर्थिक विकास का समर्थन करता है। नीतिगत सुधारों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बुनियादी ढांचे के उन्नयन के साथ, यह विनिर्माण, ई-कॉमर्स और वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

- ❖ राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति: सितंबर 2022 में शुरू की गई राष्ट्रीय रसद नीति (एन.एल.पी.) रसद संचालन को सुव्यवस्थित करने और लागत में कटौती पर ध्यान केंद्रित करने के साथ राष्ट्रीय विनिर्माण नीति (एन.एम.पी.) का पूरक है। एकीकृत लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) और लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (एलडीबी) जैसे प्रमुख डिजिटल सुधारों को व्यावसायिक दक्षता में सुधार और कंटेनरीकृत एक्विजम कार्गो की वास्तविक समय पर निगरानी की सुविधा के लिए पूरी तरह से लागू किया गया है।
- ❖ मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एम.एम.एल.पी.): इन पार्कों को पूरे भारत में रणनीतिक केंद्रों में भंडारण, भंडारण और परिवहन सेवाओं को एकीकृत करने के लिए विकसित किया जा रहा है। चेन्नई, बेंगलुरु, नागपुर और इंदौर सहित कुल 35 स्थानों को सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के योगदान के साथ क्षेत्रीय मांग के आधार पर मंजूरी दी गई है। इनमें से पांच पार्कों के 2027 तक चालू होने का

अनुमान है, जिसका उद्देश्य रसद दक्षता को बढ़ाना और अधिक व्यापार-अनुकूल पर्यावरण के लिए आपूर्ति श्रृंखला लागत को कम करना है।

- ❖ विभिन्न राज्यों में रसद सुगमता (एल.ई.ए.डी.एस.): यह पहल बुनियादी ढांचे, सेवाओं और नियामक वातावरण के आधार पर रसद दक्षता पर राज्यों को रैंक करती है। यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है और नीतिगत सुधारों का मार्गदर्शन करता है। यह राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ राज्य की रसद रणनीतियों को संरेखित करने में मदद करता है।
- ❖ संधारणीयता: परिवहन लागत और उत्सर्जन को मापने और तुलना करने, पर्यावरण के अनुकूल रसद विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए डी.पी.आई.आई.टी. द्वारा एक मालवाहक ग्रीनहाउस गैस (जी.एच.जी.) कैलकुलेटर पेश किया गया है। स्थिरता का समर्थन करने के लिए, भारतीय रेलवे ने रेल ग्रीन पॉइंट्स की शुरुआत की, जिससे मालवाहक ग्राहक अपनी संभावित कार्बन बचत का पता लगा सकें।
- ❖ समर्पित माल गलियारा (डी.एफ.सी.): रेल मंत्रालय भारी माल ढुलाई को संभालने और यात्री मार्गों पर दबाव को कम करने के लिए दो समर्पित माल गलियारे-पूर्वी (लुधियाना से सोननगर) और पश्चिमी (जे.एन.पी.टी. से दादरी) विकसित कर रहा है। परिवहन लागत में कटौती करने और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए तैयार किए गए 2,843 किलोमीटर के नेटवर्क में से 96 प्रतिशत से अधिक मार्च 2025 तक चालू हैं। ये गलियारे औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और रसद और संबद्ध क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने के लिए तैयार हैं।

संदर्भ:

पत्र सूचना कार्यालय:

<https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=154624&ModuleId=3>

<https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=154736&ModuleId=3>

<https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=154737&ModuleId=3>

<https://www.pib.gov.in/newsite/pmreleases.aspx?mincode=23>

<https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=155002&ModuleId=3>

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय:

https://sansad.in/getFile/annex/268/AU868_sXbSBv.pdf?source=pqars

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना:

<https://www.omms.nic.in/>

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय:

https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/185/AS75_dW4xnV.pdf?source=pgals

पीके/केसी/एसजी